हरिभूमि
# सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार 13 जनवरी 2026

11 जलभराव से हुए नुकसान का मुआवजा व बीमा क्लेम की मांग...

12 स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए मार्गदर्शक : प्रो. आरके कौशिक

## खबर संक्षेप

### हेरोइन सहित युवक को किया गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए रतिया टीम ने एक युवक को 7.48 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। अपराध जांच शाखा रतिया इंचार्ज सहायक उप निरीक्षक रिछपाल ने बताया कि पुलिस पार्टी को सूचना प्राप्त हुई थी कि बिन्द्र जिला फतेहाबाद, हेरोइन बेचने का काम करता है।

### रिहायशी मकान में नशा करते पकड़े गए दो युवक

**फतेहाबाद।** टोहाना पुलिस ने शहर में एक कमरे में नशा करते दो युवकों को गिरफ्तार किया है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सीआईए टोहाना की टीम ने वार्ड नंबर 19, टोहाना स्थित एक रिहायशी मकान के कमरे में रेड की। मौके पर दो युवक नशा करते पाए गए।

### नशीली गोलियों सहित युवक को किया काबू

**फतेहाबाद।** मेडिकल नशे की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपराध जांच शाखा फतेहाबाद ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लखविन्द्र सिंह उर्फ लीलू पुत्र अजीत सिंह निवासी बीघड़, जिला फतेहाबाद को 110 नशीली गोलियों सहित गिरफ्तार किया है।

### मढ़ दरगाह पर वार्षिक मेला व कबड्डी टूर्नामेंट 15 से

**फतेहाबाद।** हर वर्ष की भांति इस बार भी जय पीर बाबा अकबर शहनशाह दरगाह गांव मढ़ में 14वां कबड्डी टूर्नामेंट व जोड़ मेला आगामी 15 व 16 जनवरी वीरवार व शुक्रवार को आयोजित किया जा रहा है। गांव मढ़ में आयोजित होने वाले जोड़ मेले में गुरु का अटूट लंगर चलाया जाएगा।

### नशीली गोलियों की तस्करी में सप्लायर काबू

**फतेहाबाद।** नशीली गोलियों की तस्करी करने वालों की धरपकड़ करते हुए फतेहाबाद पुलिस ने गोलियों के मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान सलीम कुमार पुत्र जसवीर सिंह निवासी अरोड़ा कॉलोनी, रतिया के रूप में हुई है। पूर्व में भी मामले में एक अन्य आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है।

## मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना से लाभान्वित हो रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

- 2334 लाभपात्रों के खाते में 13 करोड़ 99 लाख 66 हजार रुपये की राशि खातों में भेजी

हरियाणा सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है जिससे अनेक परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों में बेटियों के विवाह को लेकर परिवारों पर पडने वाले आर्थिक दबाव को कम करना है। योजना के अंतर्गत वे परिवार पात्र माने गए हैं जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपए तक है। योजना के तहत अब तक जिला के 2334 लाभपात्रों के खाते में 13 करोड़ 99 लाख 66 हजार रुपए की राशि सीधे उनके खाते में भेजी जा चुकी है। जिला कल्याण अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि योजना के अनुसार कन्या के विवाह के बाद छह माह के भीतर आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने पर ही लाभ राशि सीधे लाभार्थी को प्रदान की जाती है। सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार अनुसूचित जाति/ विमुक्त जाति वर्ग के लाभार्थियों को 71 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाती है। वहीं सभी वर्गों की विधवा, बेसहारा महिला या अनाथ बेटियों को 51 हजार रुपए की आर्थिक सहायता का प्रावधान है।

# मकर संक्रांति पर बनेगा शुभ योग, षटतिला एकादशी के साथ मिलेगा दोगुना पुण्य

- तिल दान और व्रत से खुलेगा सुख-समृद्धि का द्वार

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

माघ मास में आने वाली एकादशी का नाम षटतिला एकादशी होता है। षटतिला एकादशी पर भगवान विष्णु की तिल से पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति षटतिला एकादशी का व्रत रखता है उसके जीवन में सुख की प्राप्ति होती है। इस दिन किए गए दान पुण्य का भी व्यक्ति को दोगुना लाभ मिलता है। शहर के प्रमुख ज्योतिषाचार्य पंडित राजेश शर्मा के अनुसार इस बार षटतिला एकादशी पर बहुत ही शुभ योग बन रहा है। एकादशी तिथि का आरंभ 13 जनवरी मंगलवार को दोपहर में 3:18 बजे होगा और 14 जनवरी को शाम में 5:52 बजे तक रहेगी। ऐसे में उदय तिथि के अनुसार, एकादशी का व्रत 14 जनवरी के दिन ही रखा जाएगा। इस बार षटतिला एकादशी के साथ मकर संक्रांति का शुभ संयोग भी बन रहा है। षटतिला एकादशी पर इस बार सर्वार्थ सिद्धि के साथ साथ अमृत सिद्धि योग बन रहा है। मान्यता है कि ऐसी व्रत करने वालों को पाप से मुक्ति मिलती है। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से भी पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इस दिन तिल का दान और तिल से जुड़े उपाय करना का दोगुना लाभ मिलता है। पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि 14 जनवरी को मकर संक्रांति का विशेष संयोग है, जिससे इस पर्व का पुण्य और बढ़ जाएगा।

### षटतिला एकादशी पूजा की विधि

पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि षटतिला एकादशी के मौके पर सुबह जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, षटतिला एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यह व्रत जीवन से दुख, दरिद्रता और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। साथ ही पापों के नाश और सुख-समृद्धि की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। शास्त्रों में उल्लेख है कि इस एकादशी के प्रभाव से भक्त का मन शुद्ध होता है और उसे आध्यात्मिक उन्नति की ओर प्राप्ति का मार्ग भी खुलता है।

### पितरों की शांति के लिए तिल मिले जल से तर्पण करें

पंडित राजेश शर्मा के अनुसार षटतिला एकादशी के दिन जल में काले तिल मिलाकर स्नान करें, इससे शारीर की शुद्धि होती है। स्नान से पहले तिल का उबटन लगाने से स्वास्थ्य लाभ और ग्रह दोष शांति मानी जाती है। पितरों की शांति के लिए तिल मिले जल से तर्पण करें। भगवान विष्णु की पूजा में हवन कुंड में काले तिल की आहुति दें। उन्होंने बताया कि इस दिन तिल और तिल से बनी मिठाइ?यों का दान महादान कहा गया है। व्रत खोलते समय फलाहार में तिल का सेवन शुभ माना जाता है। पीले रंग के वस्त्र धारण करें। इसके बाद पीले रंग का वस्त्र चौकी पर बिछाएं और भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद एकादशी व्रत कथा का पाठ करें और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें। पूजा में बिना तिल से बने व्यंजन का इस्तेमाल करें। भगवान विष्णु को तिल के लड्डूओं का भोग लगाएं।

### सचिवालय के सामने ही खाली प्लाटों में फेंकी जा रही गंदगी

# कैसे बढ़ेगी शहर की स्वच्छता रैंकिंग कूड़े से भरे पड़े खाली प्लॉट बने बाधा

फतेहाबाद। शहर में लगे कूड़े के ढेर।

**शहर के एक चौथाई भूखंड कचरे से भरे**

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 आधिकारिक रूप से लॉन्च हो गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण के दिशा-निर्देशों के अनुसार खाली प्लॉटों का प्रबंधन भी शहरों के समग्र स्वच्छता मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहेगा। शहरी स्थानीय निकायों के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि खाली भूखंडों पर कूड़ा न जमा हो और वे साफ-सुथरे रहें, क्योंकि यह मानदंड दृश्य स्वच्छता को प्रभावित करता है। फतेहाबाद शहर की स्वच्छता और सुंदरता को एक बड़ा खतरा उन खाली प्लॉटों से है, जो करीब एक चौथाई हैं। शहर की चार मरला कालोनी, एमसी कालोनी, ग्रीन पार्क, डीएसपी रोड, पुरानी तहसील रोड, हुडा सैक्टर में सद्भावना अस्पताल के पास, माजरा रोड, खासकर हुडा सैक्टर 9, 11 में खाली पड़े प्लाटों के अलावा मिनी सचिवालय के सामने अधिकांश प्लॉट कचरे और गंदगी से भरे हैं। नप द्वारा कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई। स्वच्छ सर्वेक्षण में सिटीजन फीडबैक के लिए पिछली बार 500 अंक निर्धारित थे। इस बार 1000 अंक तय किए गए हैं। शहरों की रैंकिंग 12,500 अंकों के आधार पर तय होगी।

### इन बिंदुओं का होगा मूल्यांकन

स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर केंद्र द्वारा जारी नए टूलकिट के अनुसार सर्वेक्षण में दृश्य स्वच्छता, ठोस कचरा प्रबंधन, अपशिष्ट जल प्रबंधन, स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच, शिकायत निवारण और जनभागीदारी जैसे बिंदुओं पर मूल्यांकन किया जाएगा।

### स्वच्छता ऐप पर कर सकते हैं शिकायत

सर्वेक्षण में नागरिक प्रतिक्रिया के तहत आम लोग सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। लोग स्वच्छता ऐप या अन्य निर्धारित माध्यमों से शिकायत कर सकते हैं। नियमानुसार शहरी स्थानीय निकाय खाली प्लॉटों की नियमित निगरानी और सफाई के लिए जिम्मेदार होते हैं। वे संपत्ति के मालिकों को नोटिस या सफाई करवाकर खर्च वसूल कर सकते हैं। इस मामले में फतेहाबाद नगरपरिषद के अधिकारी कुंभकर्णी नींद सोये हुए हैं। शहर में जहां-तहां खाली पड़े प्लाट कूड़े के डम्पिंग प्वाइंट बने हुए हैं। इनमें अधिकतर प्लाट ऐसे हैं जिनके मालिक बाहर रहते हैं और यहां उनकी प्रोपर्टी पड़ी है। दरअसल नगरपरिषद के अधिकारी इतनी गहरी नींद में है कि उनको सिवाय राजस्व के मामलों को छोड़कर कोई लेना-देना नहीं रह गया है। नगरपरिषद को जहां से राजस्व मिलता है जैसे हाऊस टैक्स, प्रोपर्टी टैक्स, ठेकेदारों से कमीशन, उन्हीं कामों पर ही ध्यान देते हैं। नगर में सफाई व्यवस्था व डोर टू डोर कचरा उठान का काम भगवान भरोसे चल रहा है।

### शिकायत पर नोटिस

गंदगी की शिकायत मिलने पर प्लॉट मालिकों को नोटिस जारी किए जाते हैं। गंदगी और कार्रवाई से बचने के लिए मालिकों को अपने प्लॉटों की ऊंची चारदीवारी करवानी जरूरी है। नगरपरिषद समय-समय पर सर्वेक्षण भी करती है। सफाई ठेकेदार से भी इसको लेकर जानकारी मांगी जाती है।
-राजेन्द्र खिच्ची, चेयरमैन, नगर परिषद, फतेहाबाद।

टोहाना। पत्रकारों से बातचीत करते नगरपरिषद प्रधान नरेश बंसल। फोटो: हरिभूमि

### नगरपरिषद प्रधान ने लगाए आरोप

# विधायक के भाई ने नहीं भरा 12 करोड़ का विकास टैक्स : बंसल

- पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक में आरोप-प्रत्यारोपण का दौर जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭टोहाना

पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता देवेन्द्र बबली तथा टोहाना से कांग्रेस विधायक परमवीर सिंह के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगाचार जारी है। इन सबके बीच पूर्व मंत्री के समर्थक माने जाने वाले नगरपरिषद टोहाना के प्रधान नरेश बंसल ने कांग्रेस विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रधान का कहना है कि टोहाना से कांग्रेस विधायक परमवीर के भाई की कॉलोनी पर 12 करोड़ रुपए का टैक्स बकाया है। इस बकाया विकास टैक्स को जमा करवाने के लिए करीब 20 नोटिस भेजे गए हैं। मगर अभी तक टैक्स की अदायगी नहीं की गई है। बता दें कि, इन दिनों पूर्व पंचायत मंत्री एवं भाजपा नेता देवेंद्र बबली और पूर्व कृषि मंत्री परमवीर सिंह के बीच बयानबाजी चल रही है। देवेंद्र बबली ने परमवीर सिंह को टोहाना हलके और परिवार पर बोझ बता दिया था। वहीं, परमवीर सिंह ने पलटवार करते हुए देवेंद्र बबली पर तालाबों की खुदाई के नाम पर ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया था। सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में नरेश बंसल ने कहा कि टोहाना से मौजूदा कांग्रेस विधायक और पूर्व कृषि मंत्री परमवीर सिंह के छोटे भाई रणधीर सिंह के नाम रजिस्टर्ड संतोख कॉलोनी पर यह करीब 12 करोड़ रुपए का विकास शुल्क बाकी पड़ा है।

### नहीं मिला कोई नोटिस

नगरपरिषद प्रधान द्वारा लगाए गए आरोपी पर कांग्रेस विधायक परमवीर सिंह के छोटे भाई और कॉलोनी मालिक रणधीर सिंह ने कहा है कि उनके पास ऐसा कोई नोटिस नहीं आए है। हमें विकास शुल्क बकाया होने के बारे में जानकारी ही नहीं है। इस मामले में पूरी जानकारी ली जाएगी।

### लाखों की नकदी चोरी, व्यापारियों में रोष, जांच जारी

- पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग

# बेखौफ चोरों ने शहर में तीन दुकानों को बनाया निशाना

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। दुकान में बिखरे कपड़े तथा मौके पर दुकानदार के बयान दर्ज करती पुलिस।

### खिड़की तोड़कर अंदर घुसे चोर

स्टालोस शोरूम के संचालक प्रवीण कुमार ने बताया चोर खिडकी तोडक़र अंदर बढ़े और घटना को अंजाम दिया। चोरों ने स्टालोस शोरूम के साथ ही मिस क्लाथ हाऊस पर भी वारदात को अंजाम दिया। चोर शोरूम के पीछे सीढ़ी लगाकर छत के रास्ते भीतर घुसे। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को भी मौके पर बुलाया गया है। मिस क्लाथ हाउस की संचालिका ने बताया कि चोरीशुदा सामान का आंकलन किया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे में कैद फुटेज के अनुसार चोरों ने दुकान में कपड़े पहनकर देखे और जूते भी चेंज किए और मनपंसद लेकर चले गए। चोरों ने बगल की एक दुकान का ताला तोड़ा और सामान चुराकर फरार हो गए।

**सिटी थाना से कुछ ही दूरी पर बेखौफ चोरों ने शनिवार रात को तीन दुकानों को अपना निशाना बनाया और लाखों रुपये की नगदी व सामान पर हाथ साफ कर ले गए। चोर छत के रास्ते शोरूम में घुसे। उन्होंने स्टील की विंडो तोडक़र भीतर प्रवेश किया और लॉकर व गल्ले तोडक़र करीब तीन लाख रुपये की नगदी चुरा ली। जबकि चोरीशुदा सामान का आंकलन किया जा रहा है। शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरा घटनाक्रम कैद हो गया है। सूचना मिलने पर सोमवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एक साथ चोरी की तीन घटनाओं से व्यापारियों में रोष है और उन्होंने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।**

### आपसी प्रेम और भाईचारे का त्योहार था लोहड़ी, बाजारों से भी रौनक हुई कम

# आधुनिकता की चकाचौंध में सिमटती लोहड़ी, मोहल्लों में उठने वाली आग की लपटें अब घरों तक सिमटी

रण सिंह माचरा ⏭भट्टूकलां

सर्दी की ठिठुरती रातों में जब मोहल्लों की गलियों में आग की लपटें आसमान से बातें किया करती थीं, तब लोहड़ी सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे और खुशियों का उत्सव हुआ करती थी। हर गली, हर चौक पर जलती लोहड़ी मानो पूरे मोहल्ले को एक धागे में पिरो देती थी। वह भी क्या दिन थे, जब लोहड़ी आने से कई दिन पहले ही बच्चे टोली बनाकर घर-घर जाते, किसी से लकड़ी मांगते तो किसी से मूंगफली। चेहरे पर उत्साह और आँखों में त्योहार की चमक होती। हर घर में लकड़ी का चूल्हा जलता था और उसकी आँच में रिश्तों की गर्माहट भी महसूस होती थी। शाम ढलते ही पूरे मोहल्ले में लोहड़ी की ऊँची-ऊँची लपटें दिखाई देतीं और ढोल की थाप पर मंगलगीत गूंज उठते।

भट्टूकलां। लोहड़ी पर सजी मूंगफली-रेवड़ी की स्टाल। फोटो: हरिभूमि

### फीका पड़ता जा रहा त्योहार

थालियां भर-भर कर मूंगफली, रेवड़ी और गजक लायी जातीं। लोहड़ी की पूजा-अर्चना होती, बड़े-बुजुर्ग आशीर्वाद देते और बच्चे खुशियों से झूम उठते। हर चेहरे पर मुस्कान और हर दिल में अपनापन होता, लेकिन समय के साथ सब कुछ बदल गया। आधुनिकता की चकाचौंध में लोहड़ी अब मोहल्लों से निकलकर घरों की चारदीवारी में सिमट गई है। लकड़ी के चूल्हों की जगह गैस चूल्हों ने ले ली है और भाईचारे की जगह औपचारिकता ने। अब कहीं-कहीं ही इक्का-दुक्का जगह लोहड़ी जलती नजर आती है। जहां पहले मूंगफली और रेवड़ी थालियों में भरकर आती थीं, अब वे 250 ग्राम की थैलियों में सिमट गई हैं। बाजारों की रौनक भी फीकी पड़ गई है। लोहड़ी के सामान की स्टालें दिनभर ग्राहकों की बाट जोहती रहती हैं, जैसे बीते दौर की यादों को पुकार रही हों। मकर संक्रांति और लोहड़ी का यह पावन त्योहार हर साल थोड़ा और फीका होता जा रहा है। रिश्तों की गर्माहट ठंडी पड़ रही है और आग की लपटों के साथ-साथ परंपराएँ भी बुझती जा रही हैं। हम फिर से उन दिनों को जी सकें, जब लोहड़ी सिर्फ आग जलाने का नहीं, बल्कि दिलों को जोडने का त्योहार हुआ करती थी।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
13 जनवरी 2026

# सहेली

मकर संक्रांति पर्व असल में प्रकृति के बदलाव का उत्सव है। इन दिनों स्त्रियों का उल्लास-उमंग देखते ही बनता है। मकर संक्रांति से ही घर-परिवार में विवाह या दूसरे शुभ कार्य आरंभ हो जाते हैं। यह पर्व हमारे खान-पान और दिनचर्या में भी बदलाव लेकर आता है। गुड़, तिल से बने स्वादिष्ट व्यंजन और आकाश में उड़ती-लहराती पतंगें, हमारे मन और जीवन को नव ऊर्जा से भर देती हैं।

## मकर संक्रांति
## नव ऊर्जा और अपनेपन का उत्सव

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

घर-परिवार में त्योहारों के उत्सवीय रंगों की डोर स्त्रियां ही थामती हैं। महिलाएं पारंपरिक अनुष्ठानों और रीति-रिवाजों की धुरी कही जाती हैं। बहू-बेटियां उत्सवों के परंपरागत और आध्यात्मिक महत्व को मन से समझती हैं। त्योहारों पर घर-आंगन की सज-धज से जुड़ी रचनात्मकता हो या मेल-जोल की सामूहिकता, महिलाएं बहुत सहजता से जीवन के हर पहलू को संभाल लेती हैं। पूरे माहौल को ऊर्जा और सकारात्मकता से भर देती हैं।

### प्रकृति का उत्सव और स्त्रीमन

उमंगों और पतंगों का पर्व संक्रांति, असल में प्रकृति के बदलाव का भी उत्सव है। स्त्रियों का मन वैचारिक और व्यावहारिक दोनों मोर्चों पर कुदरत के करीब होता है। असल में संक्रांति का पर्व अकेला ऐसा हिंदू त्योहार है, जो चंद्र पंचांग के हिसाब से नहीं बल्कि सौर पंचांग के हिसाब से मनाया जाता है। प्राकृतिक घटनाओं के आधार पर देखें तो संक्रांति का अर्थ ही परिवर्तन या गति है। उत्तरायण का शुभ काल, शुरू होने के चलते साल भर में आने वाली 12 संक्रांतियों में मकर संक्रांति सबसे अहम होती है। उत्तरायण का समय देवी-देवताओं के पूजन का समय माना जाता है। यही वजह है कि इस पर्व के बाद कई त्योहार आते हैं। शुभ मुहूर्त और शुभ कार्य आरंभ होते हैं। ठिठुरती ठंड और घने कोहरे के बाद आने वाले देशभर के इस प्यारे त्योहार पर स्त्रियों का उल्लास भी देखते ही बनता है। घर-परिवार में विवाह हो या कोई दूसरा शुभ कार्य, महिलाओं को सबसे अधिक चाव होता है। साथ ही यह त्योहार हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लेकर आता है। बदलते मौसम की इस रुत में भी महिलाओं के मन और जीवन में भी नई ऊष्मा का संचार होता है।

### जुड़ाव और एकता का उत्सव

परिवार हो या देश-परिवेश, सामाजिक सद्भाव और एकता की डोर से स्त्रियां सबके दिलों को जोड़ती हैं। सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े मान-मनुहार के भाव महिलाओं ने ही सहेज रखे हैं। मित्रों-रिश्तेदारों का मेलजोल मकर संक्रांति के त्योहार का अहम हिस्सा होता है। मान्यता है कि इस दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनि के घर उनसे मिलने जाते हैं। असल में मकर राशि को शनि देव का घर माना जाता है। संक्रांति का त्योहार, सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का ही उत्सव है। आध्यात्मिक रूप से भी यह मान्यता रिश्तों को मजबूती देने और मेलजोल बनाए रखने का ही संदेश लिए है। यूं भी सूर्य अपना प्रकाश, ऊर्जा और रोशनी की सौगात पूरे संसार को बिना किसी भेदभाव के बांटता है। साथ ही सूर्य का उत्तर दिशा में होना भी आध्यात्मिक रूप से काफी महत्व रखता है। ऐसे में उत्तरायण का उत्सव एकता की सोच को भी सींचता है। सहज जीवन में इसे महिलाएं ही खाद-पानी देती हैं। मकर संक्रांति के पर्व पर स्नान और दान का भी बहुत महत्व है। इस दिन तिल, गुड़, खिचड़ी, फल या आर्थिक मदद देने की रीत है। महिलाएं किसी की सहायता करने वाली रीत निभाने में आगे रहती हैं। इस त्योहार पर जरूरतमंदों को अनाज, कपड़े या दूसरी चीजें दान करने की सोच स्त्रीमन में मौजूद सामाजिक जिम्मेदारी की भावना से ही मिलवाती है।

### पतंगों के संग उमंगों का उत्सव

बच्चे हों या बड़े, मकर संक्रांति का त्योहार सभी के लिए रंग-बिरंगी पतंगों का एक उत्सव होता है। हमारे देश के कई राज्यों की पतंगबाजी तो दुनिया भर में चर्चित है। वैसे यह त्योहार हर क्षेत्र में अलग रंग, अलग ढंग से मनाया जाता है। इस दिन आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक में संक्रांति और तमिलनाडु में पोंगल का त्योहार मनाया जाता है। पंजाब और हरियाणा में इस समय नई फसल घर लाने का उत्सव लोहड़ी के रूप में मनाते हैं। वहीं असम में इस दिन बिहू पर्व का उल्लास छाया रहता है। बिहू उत्सव में नृत्य करतीं स्त्रियां हों या लोहड़ी पर गिद्धा नृत्य का उल्लास बिखेरती महिलाएं। पतंगबाजी के पेच लड़ाती बेटियां हों या पोंगल के पारंपरिक अनुष्ठान में घर के द्वार पर सुंदर कोलम रंगोली सजाने वाली महिलाएं। हर रूप में यह पर्व महिलाओं के मन की उमंगों की झांकी-सा होता है। पोंगल पर्व पर तो थाई पोंगल यानी सूर्य पूजा और मट्टु पोंगल यानी पशु पूजा के समय महिलाएं ही पूजा अनुष्ठानों की नेतृत्व करती हैं। साथ ही पूरे परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं। वहीं उत्तर भारत की पतंग उड़ाने की परंपरा भी मनोरंजन भर नहीं है। डोर से बंधी आसमान में उड़ती पतंग, आपसी रिश्तों को भी जोड़ती है। मेल-मिलाप का यह रंग आंगन की बजाय छतों-चौबारों की साझी बैठकी में खिलता है। समरसता के इस भाव को भी स्त्रियां ही बल देती हैं।

### सामाजिक-पारिवारिक संबंधों को पोसती लोहड़ी

लोहड़ी का पर्व भी प्रकृति का आभार जताने का ही उत्सव है। हमारे कृषि प्रधान देश में लोहड़ी का त्योहार फसलें कटकर घर आने की खुशी में मनाया जाता है। साथ ही यह पर्व सामाजिक-पारिवारिक संबंधों को भी पोसता है। विशेषकर पंजाब और हरियाणा में धूमधाम से मनाए जाने वाले इस पर्व को तिलोड़ी भी कहते हैं। शादी के बाद की पहली लोहड़ी बहुत खास होती है। पारंपरिक रूप से बेटे के जन्म के बाद पहली लोहड़ी बहुत धूमधाम से मनाई जाती थी। बेटे के जन्म के बाद घर में ढोल-नगाड़ों से उसका स्वागत किया जाता था और पहली लोहड़ी पर

गांव भर में उसके आगमन की मिठाई बांटी जाती थी। सुखद है कि लाडलियों के प्रति परिवार-समाज में आई सहज स्वीकार्यता की सोच से घर-परिवार में एक बड़ा बदलाव दिखने लगा है। अब बिटिया की पहली लोहड़ी भी खूब हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। शादी के बाद भी बेटी की पहली लोहड़ी पर मायके वाले त्योहारी भिजवाते हैं। यह स्नेह भरा शगुन उन्हें अपने आंगन से जोड़े रखने की सोच लिए है। मूंगफली और रेवड़ी का प्रसाद और लोकगीतों का साथ इस पर्व को बहुत खास बना देता है।

## खुश रहना भी एक आर्ट है

हर कोई चाहता है, वह खुश रहे। लेकिन खुश रहने का कोई बना-बनाया फॉर्मूला नहीं होता है। यह एक आर्ट ऑफ लाइफस्टाइल है। आप अपनी डेली रूटीन लाइफ में कुछ छोटे बदलाव करके भी खुश रह सकती हैं। यहां दी गई बातें अमल में लाएं और हमेशा खुश रहें।

जीवनशैली
अलका जैन

रविवार की सुबह आभा पार्क में टहल रही थी, तभी सामने से उसे राधा आती दिखी। हमेशा की तरह वह मुस्कुराते हुए मिली, बातें कीं। लेकिन उसकी आंखों में कहीं न कहीं एक मायूसी थी। आभा ने पूछा, 'सब ठीक है न?' राधा ने ठंडे स्वर में 'हां' तो कहा लेकिन उसकी मुस्कान बनावटी सी लगी। हम में से कई लोग अकसर अपनी थकान, उदासी या तनाव को मुस्कुराहट के पीछे छुपा लेते हैं, सिर्फ इसलिए कि दुनिया हमें खुश देखे। वास्तव में खुश रहना एक आर्ट है। इसके लिए आपको यहां बताई जा रही कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

**इन लक्षणों को पहचानें:** मन से नाखुशी, हमेशा शब्दों में प्रकट नहीं होती, संकेतों के रूप में भी सामने आती है। इन्हें पहचानना जरूरी है। हर समय थकान महसूस होना। पहले पसंद आने वाले कामों में रुचि कम हो जाना। नींद या भूख में बदलाव। मित्रों और जानने वालों से दूरी बना लेना। इन संकेतों को नजरअंदाज करना आसान है, लेकिन यही वह पल है, जब आपको रुककर खुद से पूछना चाहिए- 'मैं सच में कैसा महसूस कर रही हूं?' अगर उत्तर पॉजिटिव न मिले तो लाइफस्टाल में बदलाव करें।

**सही नहीं तुलना करना:** हर बात में दूसरों से तुलना, धीरे-धीरे आत्मसम्मान को चोट पहुंचाती है। किसी की करियर की सफलता, किसी का खूबसूरत घर या सोशल स्टेटस देखकर इंफीरियर महसूस करने से आप बेवजह अपने को खुशी से दूर कर लेती हैं। सच यह है कि किसी की भी जिंदगी परफेक्ट नहीं होती। इसलिए दूसरों से तुलना करने से बचें।

**मानसिक स्वास्थ्य पर असर:** हालांकि मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है। लेकिन खुले तौर पर अपनी परेशानियों को साझा करने में अब भी झिझक महसूस होती है। तनाव, चिंता, अकेलापन और अवसाद जैसे मनोभाव, किसी को भी प्रभावित कर सकते हैं, चाहे वह बाहरी रूप से कितनी भी खुश क्यों न दिखे। जब तक आप मेंटली हेल्दी नहीं होंगी, खुश नहीं रह सकती हैं।

**खुद के साथ समय बिताएं:** खुश रहना मन की एक अवस्था है। इस पाने की शुरुआत खुद को समय देने से होती है। इसके लिए सबसे पहले सुबह उठकर कुछ मिनट ध्यान या गहरी सांसें लें। हफ्ते में एक दिन सिर्फ अपने पसंदीदा काम के लिए रखें। नित्य प्रकृति के साथ समय बिताएं।

**सोशल मीडिया पॉजिटिव हैबिट्स:** सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाना जरूरी नहीं, बल्कि इसे अपने लिए पॉजिटिव बनाने की आदत कारगर है। ऐसे पेज और अकाउंट फॉलो करें, जो प्रेरणा और सुकून देते हों, ऐसे लोगों को रोल मॉडल बनाएं, जिनकी कथनी और करनी में अंतर ना हो। सबसे जरूरी है कि सोशल मीडिया को यूज करने का समय सीमित करें।

**थोड़ा रिलैक्स होना भी है जरूरी:** मुस्कान सिर्फ होंठों पर नहीं, मन में भी होनी चाहिए। अगर आज आपको लगता है कि आप थक गई हैं, तो इसे स्वीकार करें और कुछ देर रिलैक्स जरूर करें। याद रखें, रुकना, सांस लेना और फिर से शुरू करना बिल्कुल ठीक है। इसलिए थकान महसूस होने पर रिलैक्स होना भी जरूरी है। इससे मन को ताजगी अहसास होता है।

### बात करना और सुनना

**कभी-कभी** हमें लगता है कि हमारे पास कहने के लिए सही शब्द नहीं हैं या लोग हमें समझेंगे नहीं। लेकिन सच यह है कि सही लोगों से बातचीत आधी परेशानी हल कर देती है। दोस्त, परिवार या कोई भरोसेमंद सहकर्मी। किसी से भी अपनी बात कह देना, मन को हल्का कर सकता है। उतना ही जरूरी है, दूसरों को सुनना क्योंकि हो सकता है उनकी बातों में भी वही कहानी छुपी हो, जिससे आप खुद गुजर रही हों।

सलाह
प्रतिभा अग्निहोत्री

आजकल हाथ के बुने स्वेटर का चलन कुछ कम हो गया है लेकिन स्वेटर बुनने के शौकीन अपने हाथों को रोक ही नहीं पाते। साथ ही फैशन कोई भी हो कुछ लोगों को बाजार के रेडीमेड स्वेटर की अपेक्षा हाथ के बुने स्वेटर ही पसंद आते हैं। छोटे बच्चों को तो आज भी माताएं हाथ के बने स्वेटर ही पहनाना पसंद करतीं हैं, क्योंकि रेडीमेड स्वेटर्स की अपेक्षा हाथ के बुने स्वेटर्स ज्यादा गरमाते हैं। यदि आप भी बुनाई की शौकीन हैं तो यहां बताई जा रही बातें ध्यान में जरूर रखें, जो स्वेटर बुनते समय आपके लिए बहुत उपयोगी और फायदेमंद होंगी-

आज भी काफी लोग रेडीमेड स्वेटर के बजाय हाथ के बुने स्वेटर पसंद करते हैं। हाथ से बने स्वेटर बनाते समय कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। इन बातों को अमल में लाएंगी तो आपकी बुनाई कुछ अलग ही रंग जमाएगी।

## सर्दियों में बुनाई करते समय रखें इन बातों का ध्यान

- ऊन खरीदने से पहले किसके लिए क्या बनाना है,यह सुनिश्चित कर लें, क्योंकि बच्चों के लिए गहरे रंग, बड़ों के लिए हल्के और लड़के-लड़कियों के रंग भी अलग-अलग होते हैं।
- छोटे बच्चों के लिए फर वाली या फैशनेबल ऊन खरीदने की अपेक्षा अच्छे ब्रांड का बेबी वूल ही खरीदें, क्योंकि यह एकदम नरम और बिना रोएं वाली होती हैं।
- ऊन हमेशा आवश्यकता से कुछ अधिक ही खरीदें, क्योंकि कम पड़ने पर अकसर उसी शेड की ऊन मिलना मुश्किल हो जाता है।
- मोटी प्लाई के लिए कम नंबर की और पतली प्लाई वाली ऊन के लिए अधिक नंबर की सलाई को यूज करें।

- गले, बाहों और कमर के बॉर्डर के लिए दो नंबर अधिक की सलाई लें अर्थात यदि बॉर्डर 10 नंबर से बना रही हैं तो पूरा स्वेटर 8 नंबर से बनाएं, इससे स्वेटर देखने में तो अच्छा लगेगा ही बॉर्डर लूज भी नहीं होगा।
- बुनाई करते समय बुनने वाली सलाई को पूरा खत्म करके ही उठें अन्यथा फंदे निकलकर आपके स्वेटर डिजाइन को ही खराब कर सकते हैं।
- फंदे सदैव कड़े हाथ से और दोहरी ऊन से ही डालें, क्योंकि ढीले हाथ से डाले गए फंदे बाद में और ढीले हो जाएंगे और स्वेटर का आकार ही बिगड़ जाएगा।
- बुनाई करते समय ऊन के गोलों को एक पॉलीथिन बैग में रखें, जब बुनाई बंद करें तो इसी में बुने स्वेटर को सलाई सहित रखें, इससे आपका आधा बुना स्वेटर गंदा नहीं होगा।
- छोटे बच्चों के स्वेटर पर ऊपर किसी भी प्रकार के मोती, नग, सितारे, कुंदन आदि न लगाएं, क्योंकि वे इन्हें मुंह में डाल सकते हैं। उनके स्वेटर पर कढ़ाई इत्यादि करने के लिए धागे या ऊन का ही प्रयोग करें।
- स्वेटर बनाने के बाद उल्टी तरफ निकले धागों और गांठों को कैंची से थोड़ा-सा काटकर क्रोशिया या सलाई की सहायता से ऊन के धागों में छिपा दें।

- जहां तक संभव हो छोटे बच्चों के स्वेटर एक से अधिक रंग के और अधिक डिजाइन वाले न बनाएं ताकि ऐसे स्वेटरों या मोजों को पहनते समय उनके हाथ-पैर आदि इनके धागों में न उलझें।
- दो रंग का स्वेटर बनाते समय एक रंग की अपेक्षा 10-12 फंदे अधिक डालें, क्योंकि दो रंग के धागे आपस में उलझकर खिंचते हैं।

हेयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

## अप्लाई करें हेयर परफ्यूम बालों से आएगी भीनी-भीनी खुशबू

हेयर परफ्यूम, बालों को सुगंधित करने के साथ फ्रेश लुक देने में भी मदद करते हैं। हेयर परफ्यूम रूखे, फ्रिजी और बेजान बालों पर असरदार साबित होता है। लेकिन इसे अप्लाई करने से पहले इसके बारे में जानना भी जरूरी है।

**हेयर परफ्यूम की खासियतें:** हेयर परफ्यूम का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। इसकी खुशबू आम परफ्यूम से हल्की होती है, इसका ज्यादा इस्तेमाल करना मुश्किल नहीं होता है। जिस तरह आप बॉडी परफ्यूम का इस्तेमाल करती हैं, ठीक उसी तरह बालों को खुशबूदार बनाने के लिए हेयर परफ्यूम का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। ये बालों को अपनी खुशबू से महकाता और साथ-साथ बालों को मॉयश्चराइज भी करता है, जिससे बाल हेल्दी और तरोताजा नजर आते हैं। इनसे बाल और भी आकर्षक नजर आते हैं। हेयर परफ्यूम, बालों को सुंदर दिखाने के साथ ही लग्जरी टच जोड़ता है और आपको ताजगी महसूस करवाता है। कुछ लोग बॉडी परफ्यूम को ही बालों पर छिड़क लेते हैं, लेकिन उसमें अल्कोहल होता है, जो बालों को और ज्यादा रूखा और बेजान बना देता है। जबकि हेयर परफ्यूम में अल्कोहल की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह आपके बालों के लिए ज्यादा सुरक्षित है। यह आमतौर पर वाटर बेस्ड होता है, इसलिए यह आपके बालों को भारी नहीं बनाता है और न ही उन्हें रूखा या चिपचिपा बनाता है। हालांकि बाजार में ब्रांडेड हेयर स्प्रे भी मिलते हैं लेकिन आप चाहें तो घर पर हर्बल हेयर स्प्रे बना सकती हैं।

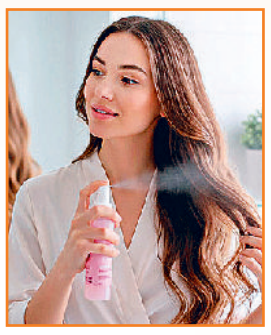

**रोज एसेंस हेयर परफ्यूम:** गुलाब की खुशबू का हेयर परफ्यूम बनाने के लिए 2 चम्मच गुलाब का तेल, 1 चम्मच जोजोबा ऑयल और 5 चम्मच गुलाब जल को एक स्प्रे बॉटल में डाल कर मिक्स करें। आपका होममेड गुलाब की खुशबू वाला हेयर परफ्यूम तैयार है। शादी समारोह या पार्टी में जाने से पहले इस हेयर परफ्यूम को बालों पर लगाएं।

**गुलाब जल और विच हेजल:** कांच के एक बर्तन में आधा चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच विच हेजल (स्किन केयर में यूज किया जाने वाला एक पौधा) को अच्छी तरह मिला लें। अब इस मिश्रण में पांच बूंदें गुलाब के तेल की मिलाकर मिश्रण को स्प्रे बॉटल में डाल लें। यह हेयर परफ्यूम स्प्रे तैयार है।

**हेयर परफ्यूम ऐसे लगाएं:** सबसे पहले बॉटल को अपने बालों से लगभग छह से आठ इंच की दूरी पर रखें। इसके बाद, हल्का स्प्रे करें। ध्यान रहे कि यह बालों के बीचों-बीच और सिरों पर ज्यादा केंद्रित हो। जड़ों की बजाय बालों के बीच की लंबाई और सिरे पर ध्यान दें, ताकि परफ्यूम का समान वितरण हो सके। यह तरीका खुशबू को समान रूप से फैलाने में मदद करता है।

हेल्थ सजेशन
डॉ. अश्वनी कानेटकर
होम्योपैथ कंसल्टेंट

कम तापमान, ठंडी हवाएं और प्रदूषण की वजह से कुछ लोग एलर्जी की समस्याओं से ग्रस्त हो जाते हैं। अगर ध्यान नहीं देंगी तो यह समस्या बढ़ भी सकती है। ऐसा आपके साथ ना हो, इसके लिए बचाव के उपाय अपनाना जरूरी है।

## सर्दी के मौसम में हो सकती है एलर्जी

बदलते मौसम में ही नहीं बहुत अधिक ठंड के दिनों में भी तरह-तरह की एलर्जी की समस्याएं हो सकती हैं। धूप ज्यादा न होने से हवा में नमी और रूखापन बढ़ने लगता है। ऐसे मौसम में कई बैक्टीरिया और फफूंदी पैदा होने लगते हैं, जो हमारी त्वचा, आंखों और सांस की नलियों में प्रवेश करके उन पर सीधा असर डालते हैं। परिणामस्वरूप कई तरह की एलर्जी के मामले सामने आने लगते हैं।

**एलर्जी के मुख्य कारण:** इन दिनों धूप की कमी की वजह से हवा में नमी बढ़ी हुई है। इसके अलावा कई शहरों, महानगरों में प्रदूषण का स्तर भी काफी बढ़ा हुआ है। कोहरा और प्रदूषण मिलकर शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करते हैं। इस दौरान कई तरह के बैक्टीरिया, धूल के कण और प्रदूषक पदार्थ की वजह से एलर्जी की समस्या पैदा होती है।

**इन लक्षणों का रखें ध्यान:** एलर्जी के लक्षण सामान्य तौर पर सर्दी-जुकाम जैसे लग सकते हैं। लेकिन अगर ये लंबे समय तक बने रहें तो डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी हो जाता है। किसी भी तरह की एलर्जी का सही ट्रीटमेंट न करने से शारीरिक समस्या और गंभीर हो सकती है। इसलिए यहां बताए जा रहे लक्षणों पर नजर रखें और डॉक्टर से कंसल्ट करने में देर ना करें।

**लगातार छींक आना:** हवा में मौजूद नमी, नाक और श्वास नलियों को प्रभावित करती है, जिससे कई लोगों को या तो लगातार छींके आने लगती हैं या फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। बुखार भी आ सकता है। कुछ लोगों को ऐसे लक्षण केवल सुबह या शाम के समय दिखते हैं, जबकि दिन में तापमान बढ़ने पर ये लक्षण अपने आप रुक जाते हैं।

**आंखों में जलन:** इस मौसम में हवा में रूखापन बहुत बढ़ जाता है, जिससे कुछ लोगों में आंखों का लाल होना या आंखों में जलन और पानी निकलने जैसी समस्याएं दिखने लगती हैं।

**त्वचा पर रैशेज या ईचिंग:** कई बार इंड के मौसम में हवा में मौजूद फंगस त्वचा की समस्याओं को बढ़ा देते हैं, जिससे रैशेज और इचिंग की समस्या बढ़ती है। रूखी हवाओं की वजह से समस्या बढ़ती है।

प्रस्तुति: बुशरा फातिमा

### अपनाएं बचाव के उपाय

सर्दी के मौसम में होने वाली एलर्जी की समस्याओं से बचाव के लिए आप यहां बताए जा रहे उपाय आजमा सकती हैं।

- जब भी धूप निकले कुछ देर रोजाना धूप में जरूर बैठें। इससे कई तरह की एलर्जी से आपका बचाव होगा।
- पहनने वाले कपड़े और बिस्तर नम न हों इसका ध्यान रखें। जब भी धूप निकले इसे जरूर सुखाएं।
- अगर एलर्जी या इंफेक्शन की वजह से नाक और गले में दर्द हो रहा हो तो भाप लेना फायदेमंद होता है।
- अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए घर का बना काढ़ा जिसमें हल्दी, गिलोय, नीबू, तुलसी आदि शामिल हो, उसका नियमित सेवन करें। इससे आप कई तरह की एलर्जी से बची रहेंगी।
- विटामिन-सी युक्त फलों जैसे संतरा, नीबू, अमरूद आदि का अधिक सेवन करें।
- होम्योपैथी में कुछ दवाएं एलर्जी से बचाती हैं। आप इनका सेवन डॉक्टर के कंसल्टेशन से कर सकती हैं।

## खबर संक्षेप

### लंबे समय से फरार आरोपी गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** फरार और बैल जंप करने वाले आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सदर रतिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक बैल जंपर आरोपी को काबू किया है। थाना सदर रतिया के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रमेश कुमार पुत्र सतनाम सिंह निवासी अलालवास है। आरोपी के खिलाफ थाना सदर रतिया में 2017 में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज था। आरोपी लंबे समय से फरार था और न्यायालय से जमानत पर रहते हुए बैल जंप कर न्यायिक प्रक्रिया से बच रहा था। प्रहलाद ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। पुलिस को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपी को काबू किया गया है।

### श्री कृष्ण रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक

**टोहाना।** श्री कृष्ण रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक श्री कृष्ण रोटी बैंक के सिंबल रोड स्थित कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में सर्व सहमति से कमल जैन को फिर से संस्था का प्रधान नियुक्त किया गया। बैठक में उप प्रधान सुशील गोयल व जोनी कांसल, मुरलीधर गोयल को महासचिव, कोषाध्यक्ष हनु शैंकी व प्रेस प्रवक्ता रोशन जिंदल को बनाया गया। इस दौरान कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर अमित जैन, एडवोकेट निशांत जैन, ललित मोहन प्रभाकर, सुनील बसंल,आशीष गुप्ता, विनोद सिंगला,कृष्ण गुप्ता,दीपक जैन, रोहतास कुमार,अग्रिम बंसल, अभिषेक बंसल,जोनी गोयल विजय बंसल (बबलू) राजेन्द्र गर्ग (मनु), बजरंग गोयल आदि मौजूद रहे।

### हेरोइन तस्करी मामलों में दो युवकों को पकड़ा

**फतेहाबाद।** शहर टोहाना पुलिस ने हेरोइन तस्करी के दो मामले में कार्रवाई करते हुए दो अन्य युवकों को काबू किया है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि आरोपी की पहचान कुलदीप सिंह उर्फ मंगू पुत्र प्रेम चंद निवासी वार्ड नंबर-3, माता वाली जोहड़ी, टोहाना के रूप में हुई है। इससे पहले इसी मामले में एक आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है। 2 जनवरी को दमकौरा रोड, टोहाना क्षेत्र में गश्त व चेकिंग के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर राहुल नामक युवक को काबू किया गया था, जिसकी तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 7.11 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी।

### हेतराम स्मृति भवन का किया लोकार्पण

**सिरसा।** बिश्नोई मंदिर में हेतराम स्मृति भवन का लोकार्पण सोमवार को सभा प्रधान खेमचंद बेनीवाल ने किया। इसके बाद इन कमरों को आम जनता को समर्पित कर दिया गया। प्रचार सचिव डॉ. मनीराम सहारण ने बताया कि इस ब्लॉक में सभी कमरे वातानुकुलित व आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं, जिन्हें सभा उचित/रियायती दरों पर यात्रियों को उपलब्ध करवा रही है। सभा प्रधान खेमचंद बेनीवाल ने बताया कि सभा हर वर्ष बच्चों के लिए संस्कार शिविर, जा भाणी हरि कथा, निःशुल्क नेत्र जांच शिविर की भी व्यवस्था करती है। सभा भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितैषी व पुण्य के कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर सभा पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य व अन्य प्रतिष्ठित लोग उपस्थित थे।

### अवैध शराब सहित एक युवक गिरफ्तार

**सिरसा।** रोड़ी थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को 15 बोतल अवैध शराब सहित काबू किया है। रोड़ी थाना प्रभारी शमशेर सिंह ने बताया थाना की एक पुलिस टीम ने गश्त व चैकिंग के दौरान गांव मतड़ क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से एक व्यक्ति अपने हाथ में प्लास्टिक का कट्टा लिए हुए आता हुआ दिखाई दिया। उक्त व्यक्ति ने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुड़कर खिसकने का प्रयास किया तो पुलिस पार्टी ने उक्त व्यक्ति को काबू कर नियमानुसार प्लास्टिक कट्टे की तलाशी ली तो उसमें से 15 बोतल देशी शराब बरामद हुई।

## अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले आंदोलन

# जलभराव से हुए नुकसान का मुआवजा व बीमा क्लेम की मांग को लेकर धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भट्टूकलां

**फतेहाबाद।** भट्टूकलां में धरने को संबोधित करते किसान नेता विष्णुदत्त शर्मा। *फोटो : हरिभूमि*

जलभराव से फसलों व ढाणियो को हुए नुकसान के मुआवजा देने और बीमा क्लेम का भुगतान करने सहित अन्य समस्याओं को लेकर किसानों ने सोमवार से अखिल भारतीय किसान सभा, तहसील कमेटी भट्टूकलां के बैनर तले सोमवार को उपतहसील कार्यालय पर दो दिवसीय धरना शुरू कर दिया है। धरने के पहले दिन की अध्यक्षता किसान सुभाष भादू, छोटूराम जांगू, हंसराज, मनीष गोरखपुरिया और मा. हनुमान सिंह ने की। इस दौरान किसानों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रोष जताया। धरने में मुख्य वक्ता के तौर पर किसान सभा के जिला प्रधान विष्णु दत्त शर्मा ने भाग लिया। धरने के बाद किसानों ने मुख्यमंत्री व उपायुक्त के नाम नायब तहसीलदार हरीश कुमार को ज्ञापन सौंप कर किसानों के हित की मांग उठाई।

धरने को संबोधित करते हुए विष्णुदत शर्मा ने कहा कि आज प्रदेश का किसान प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ प्रदेश सरकार की किसान विरोधी नीतियों एवं प्रशासनिक उदासीनता के कारण भारी संकट से गुजर रहा है। मुआवजे के लिए किसानों को दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही है। बीमा कम्पनियां भी सरकार की शह पर प्रभावित किसानों को क्लेम देने से पीछे हट रही हैं। ऐसे में किसानों के सामने एक बार फिर आंदोलन शुरू करना ही एकमात्र रास्ता रह गयाहै। उन्होंने मांग की कि बीमा कंपनियों द्वारा किसानों की फसलों को हुए नुकसान का बीमा मुआवजा तुरंत प्रभाव से पूर्ण रूप से दिया जाए। खेतों में जलभराव व सेम की समस्या का स्थाई समाधान किया जाए। सौर ऊर्जा से चलने वाले पानी निकालने के पंपों को तुरंत चालू किया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके। बीज बिल 2025 को तुरंत वापस लिया जाए, क्योंकि यह किसान विरोधी है। बिजली बिल 2025 को निरस्त किया जाए, जिससे किसानों पर बढ़ते आर्थिक बोझ से राहत मिले। मनरेगा कानून का पूर्ण रूप से पालन किया जाए तथा वीबीजी रामजी कानून पर तुरंत रोक लगाई जाए, क्योंकि यह मजदूर एवं किसानों के हितों के खिलाफ है। किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए नहरी पानी की सुचारू एवं नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि कृषि उत्पादन प्रभावित न हो।

### 16 को तहसील स्तर पर होंगे प्रदर्शन

किसान सभा जिला प्रधान ने बताया कि संयुक्त किसान किसान मोर्चा की राष्ट्रीय जनरल बॉडी मीटिंग के अनुसार 16 जनवरी को बीज संशोधन बिल, बिजली संशोधन बिल, मनरेगा को खत्म करने, चार लेबर कोड, न्यूनतम समर्थन मूल्य, कर्जा मुक्ति, मुक्त व्यापार समझौतों के खिलाफ इन मुद्दों पर गांव व तहसील स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। यह भी निर्णय लिया गया है कि जिस दिन बिजली संशोधन बिल 2025 संसद में रखा जाएगा उससे अगले दिन देशभर में इसके विरोध में रोष प्रदर्शन किये जाएंगे। इस दौरान प्रस्ताव पारित करके वेनेजुएला पर अमरीकी आक्रमण और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी को बंधक बनाकर अमरीका ले जाने की कड़ी निन्दा की गई। इस अवसर रोहतास डुडी, रिछपाल भादू, कृष्ण चंद्र, रामेश्वर ज्याणी, पृथ्वी सिंह, जगदीश चन्द्र, बजरंग, विनोद, भरत सिंह, हवा सिंह, रामकुमार, भूपसिंह, सुभाष, बलू गोदारा, अजय सिंह मावरा, भगवान दास सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

**टोहाना।** अधिकारी सोहन से मिलते हुए कॉलोनी के लोग। *फोटो : हरिभूमि*

## लोगों ने जांच के लिए पहुंची टीम को सौंपा ज्ञापन

# मुख्य मार्ग पर बीयर बार का लाइसेंस देने का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

- लोगों ने कहा, मुख्य रास्ते पर बीयर बार बनने से असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा

रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन न्यू गुप्ता (प्रभाकर) कॉलोनी के प्रतिनिधि मंडल ने प्रधान पवन गिरधर के नेतृत्व में आबकारी एवं कराधान विभाग की टीम को ज्ञापन सौंपकर न्यू गुप्ता कॉलोनी के मेन रास्ते पर बीयर बार का लाइसेंस ना दिए जाने की मांग को रखा है।

कालोनी के प्रधान ने बताया कि न्यू गुप्ता कॉलोनी के मेन रास्ते पर बने जन्नत कैफे एण्ड रेस्टोरेंट के संचालक द्वारा यहां बीयर बार का लाइसेंस आबकारी एवं कराधान विभाग में आवेदन किया है। संचालक इस रेस्टोरेंट को अब बीयर बार में तब्दील करना चाहता है। इसी को लेकर आबकारी एवं कराधान विभाग की एक सर्वे टीम इंस्पेक्टर सोहन कुमार के नेतृत्व में यहां जांच करने पहुंची। इसी दौरान कॉलोनी वासियों ने भी यहां पहुंचकर टीम अधिकारियों को ज्ञापन दिया तथा अपनी आपत्तियां दर्ज करवाई। कॉलोनी वासियों ने बताया कि यह रिहायशी कॉलोनी का एक मात्र मुख्य रास्ता है। कैफे के पास ही कोचिंग सेंटर, आईलेट्स सेंटर, जिम और अस्पताल भी बने हुए हैं। यहां विद्यार्थियों, महिलाओं व आमजन का लगातार आना जाना लगा रहा है। यदि रेस्टोरेंट को बीयर बार बनाने का लाइसेंस मिल गया तो सभी कॉलोनी वासियों व शहर के सैंकड़ों विद्यार्थियों को यहां बहुत परेशानी होगी। यहां बीयर बार बनने से असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं और कॉलोनी वासियों को यहां से गुजरने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

**सिरसा।** शिविर में कान रोगी की जांच करते चिकित्सक। *फोटो : हरिभूमि*

# डेरा में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

शाह सतनाम जी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया गया। सोमवार को शिविर के पहले दिन ईएनटी यानी कान, नाक व गला रोगों से संबंधित मरीजों की विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच की गई, जिसमें सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया। उल्लेखनीय है कि शाह सतनाम जी महाराज के अवतार माह डेरा सच्चा सौदा द्वारा मानवता भलाई के कार्यों के माध्यम से मनाया जाता है और इसी श्रृंखला के तहत यह स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। पहले दिन ईएनटी विशेषज्ञ डॉक्टर सरल आहुजा, डॉक्टर सुमित सहित शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सकों और पेरामेडिकल स्टाफ ने अपनी सेवाएं दीं। अनुभवी विशेषज्ञों की टीम ने मरीजों की गहन जांच कर उन्हें उचित परामर्श व उपचार उपलब्ध कराया, जिससे गरीब, जरूरतमंद और दूर-दराज से आए लोगों को बड़ी राहत मिली।

# हरियाणा सरपंच एसोसिएशन का 40% उपस्थिति नियम पर विरोध

## फैसले को बताया अव्यवहारिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

**टोहाना।** पत्रकारों से बातचीत करते सरपंच एसो. के प्रदेश अध्यक्ष रणबीर गिल।

हरियाणा सरपंच एसोसिएशन ने पंचायत विभाग द्वारा ग्राम सभा की बैठक में 40 प्रतिशत ग्रामीणों की उपस्थिति अनिवार्य करने के निर्णय पर कड़ी आपत्ति जताई है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रणबीर गिल ने इस फैसले को अव्यावहारिक बताया है। टोहाना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए रणबीर गिल ने कहा कि किसी भी ग्राम सभा की बैठक में 40 प्रतिशत लोगों का एकत्रित होना असंभव है। उन्होंने तर्क दिया कि यह निर्णय ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्रभावित करेगा। गिल ने बताया कि मनरेगा के तहत होने वाले कार्य भी ग्राम सभा की बैठक में ही स्वीकृत किए जाते हैं। 40 प्रतिशत उपस्थिति की शर्त के कारण मनरेगा के माध्यम से होने वाले विकास कार्य भी बाधित होंगे। उन्होंने इस नियम की तुलना विधायकों की सभाओं से करते हुए कहा कि किसी भी विधायक के लिए अपनी विधानसभा में पांच प्रतिशत लोगों को भी एकत्रित करना मुश्किल होता है। ऐसे में गांवों में 40 प्रतिशत लोगों को बुलाना कैसे संभव होगा। उन्होंने उदाहरण दिया कि जिस गांव में 2000 मतदाता हों और 6 प्रत्याशी चुनाव लड़े हों, वहां चुनाव हारे प्रत्याशियों के समर्थक बैठक में क्यों आएंगे। एसोसिएशन ने सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने और इसे वापस लेने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया कि पहले की तरह 10 प्रतिशत लोगों की उपस्थिति का नियम ही लागू किया जाना चाहिए। इस संबंध में, एसोसिएशन मुख्यमंत्री के नाम राज्यसभा सदस्य सुभाष बरला को एक ज्ञापन सौंपेगी।

# गणतंत्र दिवस समारोह पर सभी अधिकारी पूर्ण निष्ठा से अपनी ड्यूटी का करें निर्वहन

- गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर नगराधीश ने ली अधिकारियों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

नगराधीश अजय सिंह ने सोमवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नगराधीश ने कहा कि 26 जनवरी को स्थानीय शहीद भगत सिंह स्टेडियम में जिला स्तर पर गणतंत्र दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस राष्ट्रीय पर्व के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें। उन्होंने आयोजन स्थल की सफाई, बैठने की व्यवस्था, मंच की सजावट, शौचालय व्यवस्था, एंबुलेंस, पेयजल आदि के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह में अधिक से अधिक से आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाए वहीं समारोह को भव्य बनाने के लिए देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां करवाएं। इसके अलावा विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली झांकियां आकर्षक होनी चाहिए।

**सिरसा।** अधिकारियों के साथ बैठक करते नगराधीश।

### बैठक में ये अधिकारी रहे उपस्थित

बैठक में सीईओ जिला परिषद डॉ. सुभाष चंद्र, डीएसपी राजेश कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी सुनीता साईं, जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी मुकेश कुमार, जिला वनमंडल अधिकारी सतीश कुमार, उपनिदेशक कृषि डॉ. सुखदेव सिंह, जिला मत्स्य अधिकारी जगदीश चंद्र सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

## धर्म-कर्म | स्वामी ने समस्त जीवों के कल्याण के लिए किया तप व सिमरन

# 40 दिन की तपस्या के बाद बाहर आए स्वामी विज्ञान प्रेमानंद, देशभर से पहुंचे संत-महात्मा

- संत श्री विचार प्रेमानंद के मार्ग पर चलते हुए पूरी की कठिन तपस्या
- इस अवसर पर सत्संग-कीर्तन का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

**फतेहाबाद।** संत विज्ञान प्रेमानंद का स्वागत करते संत महात्मा संतों से आशीर्वाद लेते भारत टुटेजा। *फोटो : हरिभूमि*

श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम में बनी गुफा में 40 दिन की तपस्या पूरी करने के बाद स्वामी विज्ञान प्रेमानंद बाहर आए। इस अवसर पर हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात सहित देश के अनेक राज्यों से संत-महापुरुषों ने पहुंचकर उन्हें गुफा से बाहर निकाला। इस अवसर पर भव्य सत्संग समारोह, सत्संग-कीर्तन तथा अटूट लंगर प्रसाद वितरण (भंडारा) का आयोजन किया गया। बता दें कि संत श्री विचार प्रेमानंद महाराज ने श्री अद्वैत स्वरूप विचार आश्रम में स्थित पवित्र गुफा में 40 दिनों तक कठोर तपस्या कर 16 जनवरी 1996 को गुफा से बाहर आकर संगत को दर्शन दिए थे। उन्हीं के बताए मार्ग पर चलते हुए उनके कृपा पात्र शिष्य स्वामी विज्ञान प्रेमानंद ने 2 दिसंबर 2025 से पवित्र गुफा में बैठकर समस्त जीवों के कल्याण हेतु तप व सिमरन आरंभ किया था। स्वामी विज्ञान प्रेमानंद की 40 दिवसीय तपस्या पूर्ण होने के उपरांत अब उन्हें गुरु दरबार व श्री नंगली साहिब के संत-महापुरुषों द्वारा उन्हें गुफा से बाहर लाया गया। इस शुभ अवसर पर सत्संग-कीर्तन का आयोजन किया गया।

### ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा, जगदीश शर्मा, शम्मी धींगड़ा, कंवल चौधरी, तरुण मेहता, नगर परिषद वाइस चेयरमैन सविता टुटेजा, एडवोकेट संत कुमार टुटेजा, डॉ सुमन बजाज, पूनम सिंगला, भारती सचदेवा, विनोद शर्मा, नरेंद्र मदान, सुदर्शन नरूला, कृष्ण वधवा, बबलू वधवा, पिंकी बठला, संजीव टुटेजा, राजीव टुटेजा, अशोक ग्रोवर, डॉ गुरचरण ग्रोवर, सुरेंद्र टुटेजा, सुरेश टुटेजा, सुभाष अरोड़ा, अशोक ग्रोवर, अश्वनी घीक, ओमप्रकाश कुक्कड़, जगदीश टुटेजा रावी आदि उपस्थित थे।

## न्यूज डायरी

### सेवा भारती ने की टोहाना को जिला बनाने की मांग

**टोहाना।** सेवा भारती हरियाणा शाखा टीम ने सोमवार को टोहाना को जिला बनाने की मांग को लेकर डॉ शिव सचदेवा एवं सेवा भारती अध्यक्ष सत प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में नागरिक उप मंडल अधिकारी को ज्ञापन सौपा है। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि ने उनकी मांग को सरकार तक सकारात्मक रूप से पहुंचा दंगे। डॉ शिव सचदेवा ने कहा कि टोहाना की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यह जिला बनने के लिए हर तरह से योग्य तथा उचित है। उन्होंने कहा कि यहां पंजाब की सीमा लगती है जिसके कारण नशे की तस्करी एवं अपराध बहुत बढ़ रहे हैं। सेवा भारती जिला प्रचार प्रमुख सुभाष जैन ने कहा क टोहाना का जिला फतेहाबाद टोहाना उपमंडल से 65 किलोमीटर दूर है।

### साइबर फ्रॉड : पीड़ित को वापस मिले 78 हजार रुपये

**भट्टूकलां।** साइबर फ्रॉड एक मामले में कार्रवाई करते हुए भट्टूकलां पुलिस ने पीड़ित युवक सोनू जाखड़ निवासी दैयड़ को 78 हजार की राशि उसके खाते में वापस दिलवाई है। थाना भट्टूकलां के प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि सोनू जाखड़ पुत्र सतपाल के खाते से 78 हजार की राशि ऑनलाइन धोखाधड़ी के माध्यम से निकाल ली गई थी। शिकायत दर्ज करवाए जाने पर तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित किया गया तथा आवश्यक तकनीकी एवं कानूनी प्रक्रिया अपनाई गई। पुलिस की कार्रवाई, बैंक स्तर पर समय रहते की गई रोक और सतर्क प्रयासों के परिणामस्वरूप पूरी राशि को सुरक्षित रूप से सोनू जाखड़ के खाते में वापस करवाया गया।

### स्वयंसेवकों को बताया सफाई का महत्व

**सिरसा।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामपुरा ढिल्लों में सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान स्वयंसेविकाओं और स्वयंसेवकों ने विद्यालय परिसर व आसपास की सफाई करके लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इसके साथ-साथ स्कूल परिसर में साफ-सफाई की और स्कूल में खड़े पेड़-पौधों की कंटाई-छंटाई की। एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी अनिल कुमार ने विद्यार्थियों को स्वच्छ भारत मिशन और स्वच्छता के सिलसिले में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनएसएस के कार्यक्रम छात्रों को शारीरिक स्वच्छता, जैसे हाथ धोना, स्वच्छ कपड़े पहनना आदि व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में जागरूक करते हैं।

### सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का शुभारंभ

**सिरसा।** नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सोमवार को सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिला योग समन्वयक डॉ. सुरेंद्रपाल नागर ने उपस्थित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार की सही तकनीकी जानकारी देते हुए अभियान के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. नागर ने बताया कि यह राज्य स्तरीय सूर्य नमस्कार अभियान 12 जनवरी से 12 फरवरी तक चलाया जाएगा। इस वर्ष अभियान की थीम सूर्य-नमस्कार से होगा कमाल, हरियाणा बने स्वस्थ और खुशहाल तथा हर दिन योग, हर दिन नई शुरुआत, हरियाणा में लाएं स्वर्णिम प्रभात रखी गई है। अभियान के अंतर्गत जिला सिरसा के प्रत्येक गांव को इस अभियान से जोड़ते हुए 1,00,000 पंजीकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

### बच्चों को ध्यान, योग व नैतिक शिक्षा पर दिया बल

**सिरसा।** राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पां में चल रहे साप्ताहिक विशेष शिविर के तीसरे दिन का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा मेडिटेशन, योगाभ्यास एवं प्रातकालीन प्रार्थना के साथ किया गया। योग सत्र का संचालन नरेश कुमार ग्रोवर तथा योग प्रशिक्षक मनप्रीत द्वारा किया गया, जिसमें बच्चों को शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक संतुलन के महत्व से अवगत कराया गया। इसके उपरांत ब्रह्मकुमारी आश्रम से आई क्षमा एवं ज्योति ने अपने प्रेरक प्रवचनों में विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा, अच्छे संस्कार, आत्मसंयम तथा सकारात्मक वाणी के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

### कानूनी सहायता योजना के बारे में बताया

**सिरसा।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सिरसा शहर में विविध जगहों पर राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर कार्यशाला व कानूनी जागरूकता शिविर का योजना किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि नेशनल गल्र्स कॉलेज सिरसा में पैनल अधिवक्ता चंद्र रेखा ने और चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में मीरा गरवा, मुख्य एलएडीसी के साथ सहायक एलएडीसी अमित ने इस अवसर पर मौजूद छात्रों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग कानून, साइबर सुरक्षा, लैंगिक समानता, किशोर न्याय एवं अन्य संबंधित विषय पर जागरूक किया।

### नेत्र जांच शिविर में 135 रोगियों को जांचा

**सिरसा।** श्री हनुमंत फाउंडेशन की ओर से श्री हनुमंत चैरिटेबल अस्पताल में निशुल्क शिविर लगाया गया। मुख्य परियोजना संयोजक सुमन मित्तल ने बताया कि नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण अरोड़ा व डॉ. महिप बंसल द्वारा अपनी टीम व सहयोगियों के साथ 135 नेत्र रोगियों की निशुल्क जांच की गई। शिविर के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित 45 जरूरतमंद मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। इसके अलावा 56 मरीजों की मधुमेह जांच के साथ सभी नेत्र रोगियों को निशुल्क दवाएं दी गई। शिविर में संरक्षक एमपी गर्ग, बाबूराम मित्तल, भूप सिंह गहलोत, सुभाष वर्मा, सुरेश गोयल, राजेश कुमार, राजेंद्र गर्ग, अंबर अरोड़ा उपस्थित रहे।

### सिलाई मशीन व प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित

**चोपटा।** नाथूसरी चोपटा में हिमांशी मेकओवर द्वारा आयोजित प्रशिक्षणार्थी महिलाओं के लिए सिलाई मशीन व प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर गुलशन वधवा ने शिरकत की। इस दौरान कुम्हारिया, रामपुरा बगडिया सहित कई गांवों की 32 प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को हिमांशी मेकओवर चोपटा द्वारा सिलाई मशीन बांटी गई तथा आरवी इन्टरनेशनल इंस्टीट्यूट लुधियाना की ओर से रवि तलवंडी, कंचन वैदिक नेचुरल केयर, सुपरवाइजर अनिल धवन व रवि सोनी द्वारा सिलाई प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

# जाण्डली खुर्द में मनरेगा की हुई पहली ऑनलाइन ग्राम सभा, सोशल ऑडिट की जियो-टैगिंग से बढ़ी पारदर्शिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

**पंचायत निर्णय एप से हुआ आयोजन, अधिकारियों ने दी ग्रामीणों को योजना की जानकारी**

ब्लॉक की ग्राम पंचायत जाण्डली खुर्द में सोमवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत प्रायोगिक आधार पर ऑनलाइन ग्राम सभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन पंचायत स्तर पर डिजिटल पारदर्शिता और तकनीक आधारित सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ऑनलाइन ग्राम सभा के दौरान सोशल ऑडिट की संपूर्ण प्रक्रिया को पंचायत निर्णय ऐप के माध्यम से जियो-टैगिंग के साथ संपन्न किया गया। इससे न केवल ग्राम सभा की पारदर्शिता सुनिश्चित हुई, बल्कि ग्रामीणों को मनरेगा कार्यों की वास्तविक स्थिति से भी रूबरू होने का अवसर मिला।

**डिजिटल सुशासन की मिसाल बनी ग्राम सभा**

ग्राम सभा का आयोजन सामाजिक विकास विशेषज्ञ मुख्यालय चंडीगढ़ की जसप्रीत कौर के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। सोशल ऑडिट यूनिट हरियाणा से आए सदस्यों ने ग्रामीणों को सोशल ऑडिट की प्रक्रिया, मनरेगा योजना के उद्देश्य, कार्य प्रणाली और श्रमिकों के अधिकारों की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान यह भी बताया गया कि सोशल ऑडिट किस प्रकार योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है तथा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में सहायक है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ग्राम पंचायत जाण्डली खुर्द में मनरेगा के तहत कराए गए सभी कार्यों का विस्तृत लेखा-जोखा वीआरपी सविन और मीनु कुमार ने अपनी रिपोर्ट के माध्यम से ग्राम सभा में उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष प्रस्तुत किया। ग्रामीणों ने रिपोर्ट पर चर्चा कर अपने सुझाव भी रखे। पूरी ग्राम सभा की जियो-टैगिंग और तकनीकी संचालन बीआरपी चिरंजीव सांई द्वारा पंचायत निर्णय ऐप के माध्यम से सफलतापूर्वक किया गया। ग्राम सभा में उपस्थित ग्रामीणों ने सोशल ऑडिट यूनिट हरियाणा द्वारा दी गई जानकारी की सराहना की और इस पारदर्शी एवं तकनीक आधारित पहल पर संतोष जताया। इस अवसर पर सरपंच बलवंत सिंह, ग्राम सचिव राजेश कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

भूना। मनरेगा के तहत कराए गए सभी कार्यों का विस्तृत रिपोर्ट रखते हुए। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद। पुलिस परेड के दौरान निरीक्षण करते हुए एएसपी दिव्यांशी सिंगला।

## एएसपी ने पुलिस परेड का किया निरीक्षण

फतेहाबाद। पुलिस लाइन फतेहाबाद में सोमवार को साप्ताहिक पुलिस परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के पुलिस बल की तैयारियों, अनुशासन और कार्यक्षमता का मूल्यांकन किया गया। परेड के माध्यम से पुलिसकर्मियों की शारीरिक दक्षता, एकरूपता और सतर्कता का व्यावहारिक प्रदर्शन देखने को मिला। परेड का निरीक्षण सहायक पुलिस अधीक्षक दिव्यांशी सिंगला द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्रिल, टर्नआउट और समन्वय का बारीकी से अवलोकन किया तथा पुलिसकर्मियों को नियमित अभ्यास और अनुशासित दिनचर्या बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण उपरांत एएसपी दिव्यांशी सिंगला ने कहा कि प्रभावी पुलिसिंग की नींव अनुशासन, सजगता और मानसिक मजबूती पर आधारित होती है। उन्होंने बल को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने और आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने का आह्वान किया। परेड के बाद उन्होंने ईआरवी, राइडर तथा पीसीआर यूनिट्स की तैनाती और कार्यप्रणाली की समीक्षा की।

### एमएम कॉलेज में राष्ट्रीय युवा दिवस पर सेमिनार

# स्वामी विवेकानंद केवल संत नहीं, आज भी युवाओं के सबसे बड़े मार्गदर्शक

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में रन फॉर स्वदेशी निकालते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सिरसा। सीएमके कॉलेज में स्वामी विवेकानंद जयंती पर रन फॉर स्वदेशी का आयोजन करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनोहर मैमोरियल कॉलेज में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर एनएसएस द्वारा युवाओं को राष्ट्र निर्माण और आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए सेमिनार और 'रन फॉर स्वदेशी' का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्यअतिथि पूर्व बैंक अधिकारी रविन्द्र नागपाल रहे वहीं मुख्य वक्ता के तौर पर प्रमुख शिक्षाविद् प्रो. आरके कौशिक व प्रो. सुरेन्द्रपाल ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने की। इस सेमिनार का आयोजित एनएसएस ब्वॉयज से कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकेश सेठी और एनएसएस गर्ल्ज कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रतिभा मखीजा की देखरेख में किया गया। मंच संचालन वारिस सिंह ने किया।

कॉलेज में सुबह के सत्र की शुरुआत 'रन फॉर स्वदेशी' मैराथन से हुई। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय उत्पादों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और युवाओं को शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए प्रेरित करना था। कॉलेज के छात्रों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया और कॉलेज परिसर 'स्वदेशी अपनाएं, भारत को आत्मनिर्भर बनाएं' के नारों से गूंज उठा। प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके पश्चात कॉलेज में आयोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता प्रो. आरके कौशिक ने स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल संत नहीं, बल्कि युवाओं के मार्गदर्शक थे। उनका प्रसिद्ध मंत्र, 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए', आज भी हर युवा के लिए दिशा दिखाने वाला दीपक है। उनका जीवन युवाओं को आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा।

**स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपनाने की जरूरतः डॉ. ग्रोवर**

सिरसा। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. रंजना ग्रोवर के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें महाविद्यालय की एन.एस.एस की दोनों यूनिट, एनसीसी व विभिन्न इकाईयों द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. रंजना ग्रोवर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को आत्मसात करने का दिवस है। आज हम सभी को उनके विचारों को अपनाने की नितांत आवश्यकता है। इस विशेष दिवस का मुख्य उद्देश्य युवाओं मे राष्ट्र निर्माण, अनुशासन व चरित्र निर्माण है जिससे राष्ट्रीयता की भावना और सकारात्मक व प्रबल हो सके। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के इतिहास विभाग की ओर से विभागाध्यक्षा मंजु राठी के सान्निध्य में रन फॉर स्वदेशी का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढकर भाग लिया। इसी क्रम में महाविद्यालय की रेड रिबन क्लब द्वारा एड्स जागरूकता हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों को ड्रग प्रीवेंशन सेल द्वारा नशे से हमेशा दूर रहने व सक्रिय सकारात्मक जीवन व्यतीत करने के लिए प्रतिज्ञा दिलवाई गई।

# स्वामी विवेकानंद को आदर्श बनाकर जीवन में आगे बढ़ें युवाः सेशन जज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीश जिंदिया ने कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानंद को आदर्श मानकर जीवन में आगे बढऩा चाहिए। भारत अपनी युवा शक्ति के बलबूते पर विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। युवाओं को लक्ष्य निर्धारित करके जीवन में आगे बढऩा चाहिए। विद्यार्थी जीवन किसी भी व्यक्ति के जीवन का सवश्रेष्ठ काल होता है और विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। पुनीश जिंदिया सोमवार को स्वामी विवेकानंद जयंती पर चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू) में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि चरित्र, अनुशासन और नैतिकता का मार्ग भी दिखाया। आज के युवाओं के लिए आवश्यक है कि वे कानून, संविधान और सामाजिक मूल्यों का सम्मान करें।

**युवा शक्ति राष्ट्र की आत्मा : बेरीकर**

कुमारी प्रांजली रामचंद्र बेरीकर ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को स्मरण करते हुए कहा कि विवेकानंद ने युवाओं को उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक निरंतर प्रयास करने का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने युवा शक्ति को राष्ट्र की आत्मा बताया और आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण एवं सेवा-भाव को जीवन का मूल मंत्र माना।

**स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोतः संतोष**

सिरसा। महान विचारक, दार्शनिक एवं युग प्रवर्तक स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के आश्रम में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। साध्वी संतोष भारती ने स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास अनुशासन और सेवा भावना के साथ आगे बढऩे का संदेश दिया। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब युवा वर्ग अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, वहीं स्वामी विवेकानंद के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्य अनुशासन और आत्मनिर्भरता को अपनाकर ही युवा एक सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। स्वामी विवेकानंद ने भारतीय युवाओं को आत्मविश्वास साहस और चरित्र निर्माण का मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं को केवल ज्ञान प्राप्त करने तक सीमित न रहकर समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का भी संदेश दिया। स्वामी विवेकानंद ने स्वामी रामकृष्ण परमहंस की शरण में जाकर स्वयं को जाना व ब्रह्मज्ञान को प्राप्त किया। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि उठो जागो, आगे बढ़ो यानी स्वयं खुद को जानो। जब खुद को जान लोगे तभी राष्ट्र का निर्माण कर पाओगे, तभी राष्ट्र को समझ पाओगे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का सपना देश को उन्नत बनाने का था।

सिरसा। युवाओं को आत्मविश्वास अनुशासन और सेवा भावना का संदेश देते हुए।

# उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत का मंत्र लेकर विद्यार्थियों ने लगाई दौड़

■ शहीद बाबा दीप सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। शहीद बाबा दीप सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन, अहरवां में दौड़ में भाग लेते विद्यार्थी।

स्वामी विवेकानंद जी की 164वीं जयंती के उपलक्ष्य में शहीद बाबा दीप सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन, अहरवां में स्वदेशी पर्व कार्यक्रम के अंतर्गत दौड़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, आत्मनिर्भरता, स्वदेशी विचारधारा, अनुशासन तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने अत्यंत उत्साह, जोश और अनुशासन के साथ सक्रिय सहभागिता की। दौड़ स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लगभग 2 किलोमीटर की दूरी तक आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने स्वामी विवेकानंद जी के महान विचार उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत, को आत्मसात करते हुए पूरे जोश और ऊर्जा के साथ दौड़ में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नर्सिंग प्राचार्य डॉ. अनूप संधू ने किया।

# कुलां व दरियापुर में पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिला पुलिस की कुलां पुलिस चौकी द्वारा गांव नन्हेड़ी तथा पुलिस चौकी दरियापुर क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस अभियान में डॉग स्क्वॉड टीम, कमांडो टीम और क्षेत्रीय पुलिस बल ने संयुक्त रूप से भाग लिया। तलाशी के दौरान क्या पकड़ा गया, इस बारे फिलहाल पुलिस ने कोई जानकारी नहीं दी है। पुलिस पीआरओ के अनुसार इस अभियान का उद्देश्य नशा तस्करी, चोरी और अन्य अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना तथा कानून व्यवस्था सुनिश्चित करना था। पुलिस टीम ने प्रत्येक घर, गोदाम और संदिग्ध स्थानों की तलाशी ली और इलाके में निगरानी और गश्त बढ़ाई। अभियान के दौरान कोई नशे का पदार्थ या अन्य अवैध सामग्री बरामद नहीं हुई।

पुलिस चौकी कुलां के प्रभारी ने बताया कि गांव नन्हेड़ी में विशेष ध्यान उन स्थानों पर दिया गया जहां नशे या चोरी से संबंधित गतिविधियों की जानकारी मिली थी। डॉग स्क्वॉड टीम ने संदिग्ध स्थानों की पहचान कर निरीक्षण किया। इसी तरह, दरियापुर क्षेत्र में कमांडो टीम और स्थानीय पुलिस बल ने घर-घर जाकर तलाशी ली। अभियान के दौरान पुलिस ने सुनिश्चित किया कि किसी नागरिक की निजता का उल्लंघन न हो।

# राष्ट्रीय युवा दिवस पर विद्यार्थियों ने ली स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग करने की शपथ

■ एमएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मनी विवेकानंद जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। बीएड कॉलेज में विजेताओं को सम्मानित करते स्टाफ सदस्य।

एमएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एनएसएस विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जहां प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया वहीं विद्यार्थियों ने रन फॉर स्वदेशी निकालकर स्वदेशी को अपनाने की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस इंचार्ज डॉ. कमला जोशी ने किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला और स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक प्रयोग करने का आह्वान किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में कशिश ने प्रथम, मनीषा ने द्वितीय, पूजा ने तृतीय स्थान हासिल किया। डॉ. कमला जोशी ने कहा कि वास्तविक स्वतंत्रता और आर्थिक मजबूती तभी आएगी जब देश का युवा स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग करेगा।

# महिला कॉलेज में रन फॉर स्वदेशी का आयोजन

■ प्राचार्य शत्रुजीत सिंह ने छात्राओं को राष्ट्र निर्माण का दिया मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में रन फॉर स्वदेशी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद के विचारों के स्मरण के साथ की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य शत्रुजीत सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा वर्ग किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। यदि युवा स्वदेशी अपनाने का संकल्प लें, तो देश आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से और अधिक सुदृढ़ बन सकता है। उन्होंने छात्राओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सकारात्मक सोच और कर्मठता के साथ आगे बढऩे का आह्वान किया। एनएसएस प्रभारी डॉ. शकुंतला सिहाग व सहायक प्रोफेसर रमन ने कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को स्वदेशी उत्पादों के उपयोग, स्वच्छता, अनुशासन एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया। वहीं डॉ. रमेश कुमार व हिंदी विभाग की प्रोफेसर सरोज ने अपने व्याख्यान में स्वदेशी आंदोलन की प्रासंगिकता बताते हुए राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया।

### लगातार दूसरे दिन राहत लेकर आए सूर्य देव, 19 से 21 के बीच बारिश की संभावना

# तेज धूप ने दी ठंड से राहत, दो पश्चिमी विक्षोभ से बदलेगा मौसम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। धूप में लहलहाती सरसों की फसल।

फतेहाबाद में लगातार दूसरे दिन तेज धूप से लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत मिली है। हालांकि सुबह व शाम के समय कोहरे व शीत लहर का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। दूसरे दिन सोमवार को जैसे ही मौसम खुला कंपकपाती ठंड में अब तक घरों में दुबके लोगों ने घरों से बाहर निकल कर पार्कों में धूप का मजा लिया। इससे पूर्व यहां पिछले 10 दिनों से बादल व घनी धुंध छाई हुई थी। सूर्य देवता के दर्शन तक लोगों को नहीं हो पा रहे थे। दरअसल शनिवार रात फतेहबाद में रात और दिन के तापमान में 8 डिग्री का ही अंतर रह गया था। सोमवार को यहां न्यूनतम तापमान 3 और अधिकतम तापमान 14 से 16 डिग्री तक दर्ज किया गया। यह सामान्य से 6.5 डिग्री कम है। बादल छाए रहने से रात का तापमान 4.2 डिग्री बढ़ गया। उधर, मौसम विभाग ने इस सप्ताह दो पश्चिमी विक्षोभ के आने से 17 व 18 जनवरी को बादलवाही तथा 19 से 21 जनवरी के बीच पूरे प्रदेश में बारिश की संभावना जताई है।

**ऐसे बदल रहा मौसम**

बता दें कि मौसम विभाग ने बारिश की भविष्यवाणी की थी लेकिन पश्चिमी विक्षोभ के आगे निकल जाने के कारण यहां बारिश तो नहीं हुई लेकिन हलकी फुहारों व औंस से ठंडक काफी बढ़ गई थी। पिछले 15 दिनों से धुंध कोहरे और बादलवाही के कारण लोग घरों में दुबके थे। जनजीवन अस्त व्यस्त होकर रह गया था। रेलगाडिय़ां या तो देरी से पहुंच रही हैं या फिर रद्द हो गई हैं। ठंडक बढऩे से अस्पताल में भी मरीजों की संख्या बढ़ गई है। सोमवार को दूसरे दिन सुबह 10 बजे से देर शाम तक धूप निकलने से लोगों को ठंड से कुछ राहत जरूर मिली है। आने वाले दिनों में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा।

**ये बोले मौसम वैज्ञानिक**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि प्रदेश में मौसम आमतौर पर 16 जनवरी तक खुश्क रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तरपश्चिम शीत हवाएं चलने से रात्रि तापमान में हल्की गिरावट आएगी वहीं दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है। इस दौरान दक्षिण व पश्चिमी हरियाणा के जिलों में कहीं कहीं पाला पडऩे की भी संभावना है। डॉ. खीचड़ के अनुसार इस दौरान राज्य में ज्यादातर स्थानों पर अलसुबह व देर रात्रि को हल्की से मध्यम धुंध आने की संभावना है। लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ 16 जनवरी व 19 जनवरी रात्रि को आने की संभावना से मौसम में बदलाव हो सकता है, जिससे 17 व 18 जनवरी को आंशिक बादलवाई छाई रहेगी वहीं एक-दो स्थानों पर छिटपुट बूंदाबांदी हो सकती है। डॉ. खीचड़ ने संभावना जताई है कि 19 जनवरी से 21 जनवरी के बीच राज्य के ज्यादातर स्थानों पर बारिश हो सकती है।